

# डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, चर्च और अंतिम बातें, सत्र 17, सहस्राब्दि, रहस्योद्घाटन 20:4-6, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म और तीन रैप्चर स्थितियां

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्लेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च के सिद्धांतों और अंतिम बातों पर दिए गए उनके उपदेश हैं। यह सत्र 17 है, सहस्राब्दि, रहस्योद्घाटन 20:4-6, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म, और तीन रैप्चर पोजिशन।

हम अंतिम बातों में अपना अध्ययन जारी रखते हैं, और हमें प्रभु से मदद मांगनी चाहिए।

दयालु पिता, अपने बेटे को दुनिया का उद्धारकर्ता, यहाँ तक कि हमारा उद्धारकर्ता, विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा भेजने के लिए धन्यवाद। भविष्य के बारे में उनके और प्रेरितों के वादों के लिए धन्यवाद। हमें आपके वचन और उन वादों पर विश्वास करने में मदद करें।

हो सकता है कि वे हमारे जीवन पर प्रभाव डालें, जैसा कि आप चाहते हैं। हम अपने प्रभु यीशु मसीह और आने वाले राजा के माध्यम से प्रार्थना करते हैं। आमीन। हम प्रकाशितवाक्य अध्याय 20, श्लोक 1 से 6 तक सहस्राब्दि का अध्ययन कर रहे हैं, और हमने इस बात पर जोर दिया है कि चार अलग-अलग सहस्राब्दि पदों, सहस्राब्दिवाद, उत्तरसहस्राब्दिवाद, ऐतिहासिक पूर्वसहस्राब्दिवाद और युगानुकूल पूर्वसहस्राब्दिवाद में मतभेदों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण बातें समान हैं, हालांकि उनके बीच वैध, दीर्घकालिक और संभवतः अडिग मतभेद हैं।

वे उन बातों पर सहमत हैं जिन्हें मैं चार सत्य कहता हूँ, चार आधारभूत शिक्षाएँ जो उन अंतिम बातों से संबंधित हैं जिन्हें ईसाई हमेशा से मानते आए हैं और मुझे लगता है कि हमें उन पर जोर देना चाहिए और अपने मंत्रालयों का निर्माण करना चाहिए जबकि अभी भी उन चीज़ों के बारे में सोचना चाहिए जो कम महत्वपूर्ण हैं, जिसमें सहस्राब्दि भी शामिल है। चार सत्यों को संक्षिप्त रूप में RULE में संक्षेपित किया गया है। R का अर्थ है मसीह की वापसी, दूसरा आगमन, जो युगों की संपूर्ण परिणति की शुरुआत करता है।

संक्षिप्त नाम को कारगर बनाने के लिए, मैं दो आर को एक साथ नहीं रख सका, इसलिए मृतकों के पुनरुत्थान को एक विस्मयादिबोधक चिह्न के साथ विनोदी पूर्वसर्ग द्वारा दर्शाया गया है। मसीह की वापसी, ऊपर, पुनरुत्थान को दर्शाता है। एल का अर्थ है अंतिम निर्णय, और ई का अर्थ है शाश्वत नियति या स्वर्ग और नरक, अधिक विशेष रूप से, नया स्वर्ग और नई पृथ्वी और शाश्वत नरक।

और 20वीं सदी से लेकर 21वीं सदी तक के सभी विश्वासियों ने इन चार सत्यों को समान रूप से माना है। और फिर, अगर मैं इन सहस्राब्दी चार्ट को एक दूसरे के ऊपर रख सकता, तो वे उन

चार क्षेत्रों में समान होंगे। मसीह की वापसी, ऊपर, मृतकों का पुनरुत्थान, अंतिम न्याय, अनंत नियति।

फिर भी, अच्छे लोग असहमत हैं, और हमने एमिलिनियलिज्म के साथ काम किया है, जो सहस्राब्दि को भविष्य के सांसारिक राज्य के रूप में नहीं देखता है। ओह, यह भविष्य के सांसारिक राज्य में विश्वास करता है, यानी, शाश्वत राज्य और हमेशा के लिए नया स्वर्ग और नई पृथ्वी। लेकिन यह रहस्योद्घाटन 20, एक से छह के सहस्राब्दि को स्वर्ग में अपने लोगों के साथ मसीह के वर्तमान शासन के रूप में व्याख्या करता है।

पोस्टमिलेनियलिज्म, जिसमें एमिलेनियलिज्म के साथ बहुत कुछ समान है, कहता है कि मसीह सहस्राब्दि के बाद आता है, जैसा कि एमिलेनियलिज्म कहता है। लेकिन सहस्राब्दि को लंबे समय तक चलने वाले सांसारिक राज्य के रूप में माना जाता है, लेकिन इसे मसीह की प्रलयकारी वापसी से प्राप्त नहीं किया जाना चाहिए जो एक ही बार में राज्य लाता है। लेकिन पोस्टमिलेनियलिज्म क्रमिकता का एक उदाहरण है।

राज्य धीरे-धीरे फैलता है, सुचारू रूप से नहीं, और हमेशा वृद्धि के साथ, उतार-चढ़ाव के साथ, लेकिन कुल मिलाकर बढ़ता और बढ़ता हुआ उस बिंदु तक पहुँच जाता है जहाँ पृथ्वी ईसाई बन जाती है। हम विश्वास करने वाले सुसमाचार पोस्टमिलेनियलिज्म को अविश्वासी धर्मनिरपेक्ष पोस्टमिलेनियलिज्म से अलग करते हैं। विश्वास करने वाले पोस्टमिलेनियलिस्ट, ये वास्तव में ज़बान घुमाने वाले हैं, मानते हैं कि यह सुसमाचार के प्रचार के माध्यम से है कि राज्य फैल जाएगा।

प्रीमिलेनियलिज्म, जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, वह है जो पूर्व या पश्चात है, जो कि मसीह की वापसी है। मसीह सहस्राब्दि से पहले आता है, और वास्तव में, उसका आना सहस्राब्दि का कारण है; उत्तरसहस्राब्दिवाद के क्रमिकवाद के विपरीत, प्रीमिलेनियलिज्म अपने ऐतिहासिक और युगानुकूल दोनों ही रूपों में प्रलयकारी है। कबूम! यीशु की वापसी युग के अंत की शुरुआत करती है, और अन्य तत्व इसके तुरंत बाद आते हैं।

ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म ने पाँच सवालों के जवाब इस तरह दिए। धरती पर मसीह का शासन, सहस्राब्दि क्या है? यह मसीह का धरती पर एक हज़ार साल का भविष्य का शासन है, या अगर भाषा प्रतीकात्मक है, तो उसकी वापसी के बहुत, बहुत लंबे समय बाद और शाश्वत राज्य, नए स्वर्ग और नई पृथ्वी से पहले। सहस्राब्दि को पुराने नियम की कुछ भविष्यवाणियों की पूर्ति के लिए आवश्यक समय के रूप में देखा जाता है जो नए स्वर्ग और नई पृथ्वी से कम हैं।

इसलिए प्रीमिल्स गोल्डन पैसेज और प्लैटिनम पैसेज के बीच अंतर करते हैं। कुछ अंश सिखाते हैं कि जब मसीह, जब परमेश्वर शासन करेगा, तब भी अंत के समय में मृत्यु होगी। यह निश्चित रूप से नया स्वर्ग और नई पृथ्वी नहीं होगी; यह सांसारिक सहस्राब्दी राज्य की मिसाल होगी, और तथाकथित प्लैटिनम पैसेज नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की बात करेंगे।

और इसी तरह, प्रीमिल्स को पुराने नियम में यह एक वास्तविक अंतर लगता है। और इसलिए, यशायाह 65 के मध्य में, जो नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की बात करता है, प्रीमिल्स यशायाह 65, जो

भी हो, 17 से उस अध्याय के अंत तक, एक स्वर्णिम युग की बात करते हैं, स्वर्णिम मार्ग से बेहतर। स्वर्णिम युग सहस्राब्दी है और फिर यशायाह 66, अंत की ओर, जब यह दो बार नए स्वर्ग और नई पृथ्वी की बात करता है, प्रीमिल्स इसे वास्तव में एक प्लैटिनम, प्लैटिनम शासन, प्लैटिनम साम्राज्य मानते हैं।

प्रीमिल्स से बंधने का मतलब है कि वह भविष्य के सहस्राब्दि राज्य के दौरान राष्ट्रों को धोखा देने में असमर्थ होगा। प्री-मिलेनियलिज्म के रूप में सहस्राब्दि से पहले मसीह की वापसी का समय, जैसा कि नाम से पता चलता है, दूसरा आगमन, एक ही घटना है, लेकिन फिर भी दो पुनरुत्थान हैं।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि यदि आप बाइबल की ऐतिहासिक व्याख्यात्मक व्याख्या के साथ व्याख्या करते हैं, तो वे कहते हैं कि यह शाब्दिक, व्याकरणिक व्याख्या है। प्रकाशितवाक्य 20:6 में दो पुनरुत्थान दिए गए हैं। इसमें एक ही भाषा का उपयोग किया गया है, और वे ज़ाओ, एज़ेसन से दो बार जीवित हुए। क्या आप मुझे यह बताना चाहते हैं कि कुछ आयतों के अंतराल में इसका अर्थ दो अलग-अलग है? मुझे कहना चाहिए कि प्रकाशितवाक्य 20 की आयतें 4 और 5।

हाँ, मैं कहूँगा कि यह बिल्कुल वैसा ही है जैसा हम कहना चाहते हैं। यह यूहन्ना 5 की तरह है, जहाँ सबसे पहले, यीशु कहते हैं, वहाँ 24-25 आयतों के आसपास, कि एक आध्यात्मिक पुनरुत्थान है। जो लोग यीशु के उपदेश के माध्यम से पिता पर विश्वास करते हैं, वे आध्यात्मिक मृत्यु से आध्यात्मिक जीवन की ओर बढ़ते हैं।

यीशु के वचन पर वे जीवित हो उठते हैं। कुछ आयतों के बाद, यूहन्ना 5:27 से 29 तक, मृतकों का शारीरिक पुनरुत्थान होता है। प्रकाशितवाक्य 20 में भी ठीक यही बात है।

आध्यात्मिक पुनरुत्थान, शारीरिक पुनरुत्थान। ऐसा नहीं है, प्रीमियल कहते हैं। वे दोनों शारीरिक पुनरुत्थान हैं, और इस प्रकार, यहाँ बाइबल की कहानी के अंत में, पहली बार, यह बाइबल धर्मशास्त्र में ईश्वर के प्रकट होने वाले रहस्योद्घाटन के अनुरूप है।

एक मिनट रुकिए, एमिल्स और पोस्टमिल्स कहते हैं। आप मुझे यह बताना चाहते हैं कि बाइबल में हमेशा धर्मों और दुष्टों का पुनरुत्थान होता है, और अब प्रकाशितवाक्य 20 में अचानक से आपने भेद कर दिया है? बिल्कुल, प्रीमियल्स कहते हैं। बाइबल का धर्मशास्त्र कभी-कभी इसी तरह काम करता है।

अगर ऐसा लगता है कि हम किसी उलझन में हैं और हम सहमत नहीं होने वाले हैं, तो यह बिल्कुल सही है। और मैंने आपको पहले भी बताया था, स्टेनली ग्रेनज़ ने अपनी मददगार किताब, द मिलेनियल मेज़ में मेरी कई तरह से मदद की है। चूँकि आप जानने के लिए बेताब हैं, तो उनकी तीर्थयात्रा भी मेरी तीर्थयात्रा जैसी ही है।

मुझे यह भी कहना चाहिए कि उनका अच्छा रवैया, उम्मीद है, मेरे जैसा ही है। वह अलग-अलग निष्कर्षों वाले भाइयों और बहनों को स्वीकार करते हैं। वह एक डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिस्ट

थे, और फिर जैसे-जैसे उनकी तीर्थयात्रा आगे बढ़ी, वह एक ऐतिहासिक प्रीमिल बन गए, और अंत में, वह एक अमिल बन गए।

मैं कह सकता हूँ कि वह उन अवधियों में से किसी एक में भी मित्रवत था और क्रूर नहीं था। किसी भी मामले में, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म, ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म जैसी कई विशेषताओं की तरह है, लेकिन इसमें भी एक अंतर है। हमने प्रत्येक पद के लिए योग्यताएँ दी हैं, और इस पद के लिए, चार्ल्स रायरी एक उत्कृष्ट ईसाई व्यक्ति थे, जिनकी गवाही अच्छी थी, और जैसा कि ब्लेज़िंग और बाख ने अपनी पुस्तक, प्रोग्रेसिव डिस्पेंसेशनलिज्म में दिखाया है, उन्होंने डिस्पेंसेशनलिज्म को बहुत स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ाया।

डार्वी ने कुछ बातें सिखाईं। लुई फेरी चेफर ने अपने डिस्पेंसेशनलिज्म में कुछ सुधार किया। रायरी ने पिछले दृष्टिकोणों की तुलना में बड़ी प्रगति की, बड़ी प्रगति की।

उदाहरण के लिए, मुझे बाइबल कॉलेज में पढ़ाया गया था कि यीशु ने मैथ्यू की पुस्तक में सहस्राब्दि राज्य की पेशकश की थी, और अगर यहूदियों ने इसे स्वीकार कर लिया होता, तो यीशु को क्रूस पर नहीं चढ़ना पड़ता। हैरानी! गलत, रायरी कहते हैं। अगर उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया होता, तो यीशु, निश्चित रूप से, क्रूस पर चढ़ जाते।

यही उनके आने का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने इस मामले में एक गोली को चकमा दिया। यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण सुधार है।

वैसे भी, मुझे सिखाया गया था, और फिर से, अच्छे लोगों द्वारा जो प्रभु से प्रेम करते हैं, और संभवतः 1970 के दशक में फिलाडेल्फिया कॉलेज ऑफ बाइबल में मेरे सभी शिक्षक इस बात से सहमत नहीं थे कि पर्वत पर उपदेश आज के समय पर लागू नहीं होता। यह आने वाले सहस्राब्दि राज्य के लिए नैतिकता थी। अब ऐसा नहीं है।

तो, लोकप्रिय डिस्पेंसेशनलिस्ट जॉन मैकआर्थर के पास माउंट पर उपदेश पर एक किताब है जो इस उम्र के ईसाइयों पर लागू होती है। तो, धर्मशास्त्र विकसित होते हैं। हमेशा अच्छे के लिए? अरे नहीं, अरे नहीं।

ऐसे कई उदाहरण हैं जब धर्मशास्त्र बहुत ही अविश्वासी या उदारवादी दिशा में, या भ्रमित करने वाली दिशा में, या सबसे महत्वपूर्ण चीजों के लिए अपना उत्साह खोते हुए आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन मेरे अनुमान में, डिस्पेंसेशनलिज्म बहुत ही स्वस्थ दिशा में आगे बढ़ा है। प्रगतिशील डिस्पेंसेशनलिज्म का विरोध करने वाले डिस्पेंसेशनलिस्ट मुझसे असहमत हैं, लेकिन डलास थियोलॉजिकल सेमिनरी में मेरे बहुत अच्छे दोस्त हैं, जो शायद डिस्पेंसेशनल धर्मशास्त्र का विश्व केंद्र है, और वे एक वाचा धर्मशास्त्री के रूप में, प्रगतिशील डिस्पेंसेशनलिस्ट के रूप में, मेरे साथ सहमत होने में प्रसन्न हैं। शास्त्रों और इसकी कहानी के बारे में कहने के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अनुग्रह की एक व्यापक वाचा है जो बाइबल को एकजुट करती है, और यह सुनना वास्तव में उत्साहजनक है।

वैसे भी, डिस्पेंसेशनल प्रीमिस्स । चार्ल्स रायरी, जॉन वाल्वोर्ड, जो अपनी एस्केटोलॉजिकल किताबों के लिए प्रसिद्ध हैं, और फिर नए डिस्पेंसेशनलिज्म के आर्किटेक्ट, डेरिल बाख और क्रेग ब्लेज़िंग, बहुत ही सक्षम विद्वान थे। मैंने हाल ही में बाख की किताब, पोर्टेड्स ऑफ़ जीसस का आनंद लिया, जो चारों गॉस्पेल से सिनॉट्रिक से जीसस की कहानी और शिक्षा का सारांश है।

वह सिनोट्रिक्स को एक साथ पेश करता है, और फिर जॉन, उत्कृष्ट, जैसा कि मेरे एक नए नियम के विद्वान मित्र ने कहा, वर्षों से मैं एक ऐसी किताब के लिए तरस रहा था जो इतनी अच्छी हो। हमारे पास यह है। डार रिल बाख और क्रेग ब्लेज़िंग।

वे उत्कृष्ट ईसाई पुरुष हैं जो प्रभु से प्रेम करते हैं, और उनसे असहमत लोगों के प्रति अच्छा व्यवहार रखते हैं। लड़के, मैं इस बात से बहुत खुश हूँ। वे उन चार सत्यों को मानते हैं जिन पर मैंने ज़ोर दिया है।

वे भी व्यवस्थावादी हैं, और मैं उनसे कुछ विवरणों पर सवाल पूछना पसंद करता हूँ क्योंकि मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उन्होंने इनमें से कुछ चीजों को संशोधित किया हो। लेकिन नंबर एक, मिलेनियम। यह ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म से सहमत है।

सहस्राब्दि भविष्य का सांसारिक राज्य है जो मसीह की वापसी से लाया गया है। इसलिए, सहस्राब्दि, मसीह की वापसी पूर्वसहस्राब्दि है। सहस्राब्दि के संबंध में मसीह की वापसी पूर्व या पश्चात है, लेकिन डिस्पेंसेशनलिस्ट ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म में बहाल मंदिरों और बलिदानों के साथ सहस्राब्दि के लिए एक यहूदी चरित्र जोड़ते हैं। यही मैं अग्रणी, अत्याधुनिक डिस्पेंसेशनलिस्टों से पूछना चाहता हूँ क्योंकि मुझे लगता है कि इब्रानियों की पुस्तक बस इसकी अनुमति नहीं देती है।

दो और तीन, शैतान के बंधन का मतलब है कि वह रोक नहीं सकता; वह भविष्य के सहस्राब्दी राज्य के दौरान राष्ट्रों को धोखा नहीं दे सकता। याद रखें, ओमनील्स और पोस्टमिल्स ने कहा, नहीं, नहीं। पाठ में उसे जबरदस्त बंधन दिए जाने का कारण बताया गया है।

उसे बंद कर दिया गया है, और उन्होंने हथकड़ी लगा दी है और उसके सामने एक कुर्सी रख दी है। मेरा मतलब है, यह अविश्वसनीय है। बंधन की शानदार भाषा।

बी.बी. वारफील्ड एक अद्भुत विद्वान हैं, और ऐसे बहुत कम वारफील्ड हैं; उन्होंने बाइबिल की दोनों भाषाओं में महारत हासिल की, मेरा मतलब है कि उन्होंने खुद को बाइबिल, बाइबिल की शिक्षाओं के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने व्यवस्थित धर्मशास्त्र नहीं लिखा, इसका एकमात्र कारण यह है कि हॉज ने पहले ही लिख दिया था। वे विश्व प्रसिद्ध हो सकते थे, लेकिन उनकी पत्नी को एक लाइलाज बीमारी थी, और वे उसे छोड़ना नहीं चाहते थे।

वैसे भी, वॉरफील्ड ने रहस्योद्घाटन 20 में शैतान पर संयम की जबरदस्त भाषा को स्वीकार किया और कहा कि उसके पास एक लंबी श्रृंखला है। विशेष रूप से, और पोस्टमिल्स कहते हैं, संयम की वह सारी भाषा तब इसका उद्देश्य बताती है ताकि वह हज़ार साल खत्म होने तक राष्ट्रों

को और धोखा न दे सके। खैर, हज़ार साल एमिल्स के लिए चर्च का युग है, और शैतान अब सुसमाचार के प्रसार को प्रस्तुत करने में असमर्थ है क्योंकि यह पहले कभी दुनिया में नहीं गया है।

नहीं, प्रीमिल्स कहते हैं, हम इस संदर्भ से विवश हैं। प्रवचन का ब्रह्मांड यह अंश है, संपूर्ण नहीं; बेशक, यह संपूर्ण बाइबल है, लेकिन अधिक विशेष रूप से, यह भविष्य के सांसारिक सहस्राब्दी साम्राज्य के बारे में बात कर रहा है। मैं इसे फिर से कहूंगा: ग्रेनज़ सही है।

विभिन्न दलों की व्याख्या तय है। हम अड़े हुए हैं। हम कोई समझौता नहीं करने जा रहे हैं।

मुझे ग्रेज की भावना पसंद है; हालाँकि, उसी पुस्तक, द मिलेनियल मेज़ में, उन्होंने कहा कि व्याख्या अलग है। अब मेरी भाषा, एक ही अंश की विरोधाभासी व्याख्या, सही नहीं हो सकती। यह विरोधाभास के नियम का उल्लंघन होगा।

ए और नेगेटिव ए, जहां ए एक ही चीज के लिए खड़ा है, एक ही समय में एक ही तरह से सच नहीं हो सकते। फिर भी, ग्रेज कहते हैं, हम सहस्राब्दी की प्रत्येक स्थिति से सीख सकते हैं। ओह, मैं सहमत हूँ।

मैं सहमत हूँ। निश्चित रूप से, पूर्व-उपनिवेशवाद पूर्व-सहस्राब्दिवाद कहता है कि दूसरा आगमन, मुझे खेद है, दो और तीन।

तीन मसीह की वापसी का समय है, जैसे कि ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म। चूँकि यह पूर्व है, इसलिए यह कहता है कि उसका आगमन सहस्राब्दी से पहले है।

हालाँकि, एक और अंतर है, और यहाँ अंतर अन्य तीनों स्थितियों के साथ है। विशिष्ट रूप से, ए, पोस्ट और ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म के विपरीत, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म कहता है कि दूसरा आगमन दो चरणों में होगा। इस प्रकार, डिस्पेंसेशनलिस्ट रैचर अंशों के बीच अंतर करते हैं, जहाँ यीशु पृथ्वी पर सात साल के महान क्लेश से पहले चर्च को दुनिया से बाहर ले जाने के लिए आता है, और दूसरे आगमन के अंश, जो क्लेश के बाद और सहस्राब्दी से पहले मसीह के पृथ्वी पर आने की बात करते हैं।

एक बार फिर। दूसरा आगमन दो चरणों में होगा। पहला, क्लेश से पहले चर्च का उत्थान, ताकि चर्च याकूब के संकट के समय से बच जाए, दुनिया के इतिहास में अभूतपूर्व क्लेश का समय, दानिय्येल 12, मत्ती 24।

वे उत्साह और दूसरी बार वास्तविक आगमन के बीच अंतर करते हैं, जिसे हम पृथ्वी पर आना कह सकते हैं। उत्साह हवा में आता है, चर्च ऊपर जाता है, और दुनिया से बाहर ले जाया जाता है। पृथ्वी पर दूसरा आगमन, हवा में उत्साह से अलग, क्लेश के बाद और सहस्राब्दी से पहले होता है।

ओमनील्स और पोस्टमिल्स में एक सामान्य पुनरुत्थान होता है। ऐतिहासिक मिल्स में दो होते हैं। डिस्पेंसेशनल प्रीमिल्स में तीन पुनरुत्थान होते हैं।

आइए हम अपने चार्ट को देखें। अन्य स्थितियों की तरह, यह भी इंजील ईसाई धर्म है, इसलिए हम मसीह की मृत्यु, पुनरुत्थान और स्वर्गारोहण से शुरू करते हैं। दूसरे आगमन के दो चरण।

चर्च का उत्साह, मैं संक्षेप में बताने जा रहा हूँ, बस अलग-अलग उत्साह स्थितियों और प्री-मिलेनियलिज्म के उनके उपसमूह; मैं बस टैग दूंगा, उत्साह पूर्व-क्लेश, मध्य-क्लेश, या पश्चात-क्लेश है। हम एक मिनट में वहाँ पहुँच जाएँगे, लेकिन मसीह विश्वासियों से मिलता है जो मर चुके हैं, पुनर्जीवित हैं, और हवा में जीवित हैं और स्वर्ग लौट जाते हैं। उत्साह अन्य तीन स्थितियों की तरह पृथ्वी पर वापस नहीं आता है।

मैंने बताया कि यह इस दृष्टिकोण को गलत साबित नहीं करता है, लेकिन 1 थिस्सलुनीकियों 4 से हवा में प्रभु से मिलने का शब्द बाइबल के साथ-साथ साहित्य में भी इस्तेमाल किया जाता है, जो वैसे भी उसी सामान्य क्षेत्र, समय अवधि में होता है, एक शहर-राज्य के प्रतिनिधियों का, एक राजनीतिक इकाई का किसी गणमान्य व्यक्ति, एक राजकुमार या एक राजा का स्वागत करने के लिए सीमा पार करना, और उन्हें वापस उनके क्षेत्र में ले जाना। इसलिए, हवा में प्रभु से मिलना संभव है, जिसका अर्थ है कि मृत विश्वासी जी उठते हैं, जीवित लोग रूपांतरित होते हैं, वे मसीह से मिलने के लिए ऊपर जाते हैं, और वे, शहर के नागरिक के रूप में, उनके साथ वापस धरती पर आते हैं। क्या यह साबित करता है कि यह गलत है? नहीं।

यह बस इतना कहता है कि यह स्वीकार्य है; हवा में भगवान से मिलने के लिए उस क्रिया के ऐसे उपयोग का सबूत भी है। किसी तरह, मुझे लगता है कि यह एक संज्ञा है जो शायद मौखिक तरीके से एक पूर्वसर्ग के साथ काम करती है। किसी भी मामले में, यह महत्वपूर्ण नहीं है।

चर्च के उत्थान और पृथ्वी पर दूसरे आगमन के बीच का अंतर। केवल डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म में, चर्च को महान क्लेश से बचा लिया जाता है, क्योंकि इसे दुनिया से बाहर निकाल दिया गया है, कम से कम मुख्यधारा के डिस्पेंसेशनलिज्म में। यह जटिल हो जाता है।

आपको लगता है कि यह जटिल है, यह बदतर है। मैं इसे सरल बना रहा हूँ। यह ठीक है क्योंकि चार सत्यों को ध्यान में रखें।

पारदर्शिता को एक दूसरे के ऊपर रखें। हम इस बात पर सहमत हैं कि यीशु वापस आ रहे हैं, मृतकों को उठाया जाएगा, अंतिम निर्णय होगा, और वे अनंत नियति होंगे। मैं इसी पर कायम हूँ।

मैं इसी बात पर ज़ोर देता हूँ। क्या मैं इस बारे में चिंतित हूँ? हाँ। क्या मेरा अपना दृष्टिकोण है? हाँ।

क्या मैं उन अन्य ईसाइयों को गोली मार दूंगा जो असहमत हैं? नहीं। मुझे छोड़ो। मिलेनियम यहूदी है; कम से कम, यही राय मैंने पढ़ी है।

मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर इस परंपरा में कुछ सावधान बाइबिल धर्मशास्त्री उस सहस्राब्दी की यहूदीता को त्याग दें। मुझे लगता है कि इब्रानियों ने मंदिर की बहाली के दृष्टिकोण को रोक दिया है। यह पुराने नियम की शाब्दिक व्याख्या है जिस पर व्यवस्था का निर्माण किया जाता था।

लेकिन प्रगतिशील व्यवस्थावाद इवेंजेलिकल थियोलॉजिकल सोसाइटी की एक प्री-कॉकस मीटिंग से आया, खासकर युवा व्यवस्थाओं से, लेकिन केवल यही नहीं, जिसमें उन्होंने व्यवस्था के ऐतिहासिक लौह-पहने व्याख्याशास्त्र को तोड़ा। चर्च और इज़राइल हमेशा अलग-अलग होते हैं। नहीं, उन्होंने कहा, गलातियों 6, गलातियों के उस संदर्भ में ईश्वर का इज़राइल, चर्च की बात करता है।

और वे सहमत हो गए। हर कोई सहमत नहीं था, लेकिन प्रगतिशील लोग सहमत थे, और इससे दरवाज़ा खुल गया। इसलिए अब वे कहते हैं कि नए नियम में अभी भी इज़राइल और चर्च का भेद है, और यही डिस्पेंसेशनलिज़्म का सार है।

लेकिन अमल सही हैं। कभी-कभी, चर्च नए नियम के बारे में बात करता है और चर्च को आध्यात्मिक इज़राइल के रूप में बताता है। इसलिए, मैं उस रियायत की सराहना करता हूँ।

अंतिम निर्णय, नया स्वर्ग और नई पृथ्वी पारंपरिक हैं। तीन पुनरुत्थान। अमल और पोस्टमिल्स में एक सामान्य पुनरुत्थान है।

प्रीमिल्स, जो प्रकाशितवाक्य 24 से 6 पर आधारित है, में दो हैं। एक मिलेनियम से पहले, एक मिलेनियम के बाद। डिस्पेंसेशनलिस्ट्स, रैप्चर को जोड़कर, तीन बनाते हैं।

1 थिस्सलुनीकियों 4 थिस्सलुनीकियों की समस्या का समाधान करता है, हमारे कुछ भाई-बहन मर गए। क्या वे चूक जाएँगे? नहीं, नहीं, नहीं। वे पहले जी उठेंगे, और हम साथ मिलकर हवा में प्रभु से मिलेंगे।

यह एक पुनरुत्थान है। दूसरा, चूँकि सहस्राब्दि यहूदी है, इसलिए पुराने नियम के संतों और क्लेश संतों, यहूदियों का पुनरुत्थान है, क्योंकि यहूदी सहस्राब्दि से पहले ही चर्च का स्वर्गारोहण हो चुका है। पुनरुत्थान, मैं उलझन में पड़ गया, रैप्चर से पहले विश्वासियों का पुनरुत्थान, जब यीशु स्वर्ग में, हवा में आता है।

चर्च के संत, पुराने नियम के संत नहीं। रैप्चर चर्च के संतों के लिए है, पुराने नियम के संतों के लिए नहीं। उन्हें सहस्राब्दि से पहले उठाया गया था।

यह सही है। यह एक यहूदी अर्थव्यवस्था है, और प्रीमिलेनियम व्याख्या के अनुसार, क्लेश के दौरान लोगों को बचाया जाता है। उन्हें यहूदी सहस्राब्दि में भाग लेने के लिए भी उठाया जाता है।

तो, अंतिम न्याय के समय सभी मृतकों का पुनरुत्थान, मुख्य रूप से अविश्वासियों से संबंधित है। मुझे ग्रेज के बिंदु के साथ थोड़ा सा करने दें। मैंने कितनी बार चार सत्यों के बारे में कहा है? मैं इसे फिर से नहीं कहूँगा, ठीक है? मैं इसी पर जोर देता हूँ।

लेकिन ग्रेज सही है। व्याख्या खोदी गई है, व्याख्याकार खोदे गए हैं। हम सहमत नहीं होने जा रहे हैं।

मुझे उम्मीद है कि हम चार बिंदुओं पर सहमत हो सकते हैं, और एक-दूसरे को प्यार से स्वीकार कर सकते हैं, और बहस जारी रख सकते हैं, लेकिन हम कर सकते हैं या नहीं कर सकते हैं, ये स्थितियाँ अडिग लगती हैं। लेकिन, ग्रेज का कहना है कि हम मिलेनियल की प्रत्येक स्थिति से सीख सकते हैं। मैं सहमत हूँ।

डिस्पेंसेशनलिज्म से हम सीखते हैं कि हमें पूरी बाइबल पर ध्यान देने की ज़रूरत है, जिसमें इसके भविष्यसूचक अंश भी शामिल हैं। अब, भविष्यवक्ताओं ने बड़े पैमाने पर अपने समकालीनों की सेवा की, लेकिन उन्होंने भविष्य के बारे में बात की, और हमें इसके साथ समझौता करने की ज़रूरत है। और, वास्तव में, डिस्पेंसेशनल व्याख्या और धर्मशास्त्र ने हमारे सहस्राब्दिवाद को प्रभावित किया है।

यहाँ एक उदाहरण दिया गया है। एंथनी होकेमा ने बाइबल इन द फ्यूचर में स्वीकार किया है कि हमारे मिल्स ने पुराने नियम के भूमिवादों की लगातार आध्यात्मिक रूप से व्याख्या करके गलती की है। नहीं, वे कहते हैं, कभी-कभी वे भूमिवाद नई पृथ्वी की बात करते हैं।

मुझे लगता है कि यह एक अच्छी, ठोस रियायत है, जो न केवल पुराने नियम के भविष्यवक्ताओं की व्याख्या पर आधारित है, बल्कि उसी के नए नियम की व्याख्या पर भी आधारित है। मैं हमेशा होकेमा के दृष्टिकोण की सराहना करता हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यह सही है। इसलिए, हम एक-दूसरे से सीख सकते हैं।

मैं पोस्ट-मिलेनियलिस्ट नहीं हूँ, लेकिन मैं आपको बता दूँ कि: सुसमाचार से पोस्ट-मिलेनियल आशावाद वास्तव में अच्छा है। इसका मतलब है कि जब वे इसके बारे में बात करते हैं तो वे बाइबल की शिक्षाओं की हवा में सांस ले रहे होते हैं। हाँ, प्री-मिल्स सही हैं।

शास्त्र कहता है कि चीजें बद से बदतर होती जाएंगी, ठीक है? और, हालाँकि हम अपनी समय सीमा में सीमित हैं, और मैंने प्रचारकों को दशकों से बार-बार यह कहते सुना है, आप जानते हैं, यशायाह में यह अंश आज हमारी भयानक दुर्दशा के बारे में बिल्कुल वैसा ही कहता है। आप जानते हैं, सब कुछ हमेशा बिखर रहा है, लेकिन निश्चित रूप से आज, हमें ऐसा लग रहा है कि चीजें वास्तव में बहुत खराब हैं, है न? मुझे नहीं लगता कि हमारे पास भगवान का दृष्टिकोण है, और मैं सहमत हूँ, मैं सहमत हूँ, मुझे नहीं लगता कि हमारे पास भगवान का दृष्टिकोण है कि वह पूरी दुनिया में क्या कर रहे हैं। इसलिए, मैं अभी भी सुसमाचार के बारे में आशावादी दृष्टिकोण रखता हूँ, लेकिन मैं संस्कृति और उसके क्षय के बारे में उस प्रीमिलेनियल निराशावाद से सहमत हूँ।

मैं सुसमाचार और अन्य माध्यमों से संस्कृति को नवीनीकृत करने के सुधारवादी सिद्धांत से भी सहमत हूँ। वैसे भी, हम सभी स्थितियों से सीख सकते हैं, और मुझे उम्मीद है कि हम एक दूसरे

को वैसे ही स्वीकार करेंगे जैसे परमेश्वर ने हमें मसीह में स्वीकार किया है। रोमियों 15, और मुझे बदलाव के लिए उस आयत को पढ़ना चाहिए, 15:7। रैचर।

मैं बस स्थिति प्रस्तुत करने जा रहा हूँ। मैं कह सकता हूँ कि यह पूरी तरह से एक पूर्व-सहस्राब्दी चिंता है, ठीक है? सवाल यह है कि यीशु का आगमन सहस्राब्दी के संदर्भ में कब होता है? अब सवाल यह है कि हमारे पास एक पूर्व-सहस्राब्दी, यहाँ तक कि एक व्यवस्थागत, हमारे पास एक व्यवस्थागत दृष्टिकोण है। इसके भीतर क्लेश से पहले, क्लेश के बीच में, क्लेश के अंत में स्वर्गारोहण है।

क्लेश काल के संदर्भ में चर्च के उत्थान का समय प्रीमिलेनियल के लिए विशेष चिंता का विषय है, यहाँ तक कि, न केवल व्यवस्था के लिए, बल्कि प्रीमिलेनियल एस्केटोलॉजी के लिए भी। यह डिस्पेंसेशनलिस्ट शिक्षण के साथ एक मुद्दा बन जाता है कि दूसरे आगमन के दो चरण हैं। क्लेश से पहले चर्च का उत्थान, और क्लेश के बाद और सहस्राब्दी से पहले पृथ्वी पर दूसरा आगमन।

अमिलेनियलिज्म, अमिलेनियलिज्म, पोस्ट-मिलेनियलिज्म और ऐतिहासिक प्रीमिलेनियलिज्म के बाद से, अगली क्लास ब्रेक पर, मैं चाहता हूँ कि आप उन्हें दस बार उल्टा करके जल्दी से कहें। सहमत हैं, पोस्ट-मिल, मिल्स, ऐतिहासिक मिल्स, कि दूसरा आगमन एक ही घटना है। वे इस बात पर भी सहमत हैं कि क्लेश के बाद रैचर होता है।

क्या यीशु अपने चर्च के लिए आते हैं? हाँ। मैं समझता हूँ कि रैचर का एक विशेष अर्थ है, लेकिन अगर हम केवल उनके चर्च के लिए आने को रैचर के रूप में नामित करते हैं, तो वे सभी मानते हैं कि रैचर पृथ्वी पर आने के साथ ही होता है, लेकिन, और यह क्लेश के बाद होता है। क्लेश के संदर्भ में डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म के भीतर रैचर के समय पर तीन स्थितियाँ हैं।

पूर्व-क्लेशकालीन उत्साह, मध्य-क्लेशकाल उत्साह, क्लेश के बाद परमानंद। क्या मैंने आपको बताया कि हम धर्मशास्त्री इस तरह की चीजों से खुश होते हैं? यह हमें रोजगार देता है। आपको इसके लिए हमारी जरूरत है।

खैर, फालदेरोल के बारे में काफी हो चुका है। मैं हर एक के लिए वर्थीज़ देने जा रहा हूँ। प्री-ट्रिब, जॉन वाल्वोर्ड, ड्वाइट पेंटेकोस्ट, ब्लेज़िंग और बाख।

मिड-ट्रिब, जे. ओलिवर बुसवेल जूनियर, सेंट लुइस में कोवेनेंट थियोलॉजिकल सेमिनरी में व्यवस्थित धर्मशास्त्र के पहले अध्यक्ष और प्रोफेसर, महान ईसाई व्यक्ति। क्लेश के बाद के उत्साह, सबसे प्रसिद्ध प्रतिनिधि, जॉर्ज लैड। एक अन्य समकालीन, डगलस मू।

एक किताब है, जॉर्डरवन, जिसमें रैचर पर तीन दृष्टिकोण हैं, मुझे लगता है कि यह तीन हैं। मू पोस्ट-ट्रिब्यूलेशन प्रीमिलेनियलिज्म का प्रतिनिधित्व करते हैं और इसके लिए तर्क देते हैं। मैं इनमें से कुछ पर उनके विचार जानना चाहता हूँ।

वैसे भी, इतना ही काफी है। प्री-ट्रिब रैचर, नंबर एक, चर्च क्लेश के दौरान अनुपस्थित रहेगा। मैं सिर्फ संदर्भ पढ़ने जा रहा हूँ, पलटने भी नहीं जा रहा हूँ।

मत्ती 24:31, प्रकाशितवाक्य 4 से 19 में कलीसिया का कोई उल्लेख नहीं है। 7, 4, 7, 9 की तुलना करें। हाँ, लेकिन यह संतों के बारे में बात करता है - कलीसिया का कोई उल्लेख नहीं है।

सात कलीसियाएँ अध्याय 2 और 3 में आती हैं। अध्याय 22 में, आत्मा और कलीसिया कहते हैं, प्रभु यीशु के पास आओ। क्या यह सही नहीं है? जब कोई व्याख्यान दे रहा हो या वीडियो बना रहा हो, तो उसे इन बातों को छिपाना नहीं चाहिए। आत्मा और दुल्हन।

वैसे भी, यह सही है। चर्च शब्द, चर्च, प्रकाशितवाक्य 4 से 19 में नहीं आता है। हे भगवान, मत्ती 24:31, मैं खुद की मदद नहीं कर सकता।

मुझे ऐसा लगता है कि यह एक लिया गया और एक पीछे छोड़ दिया गया। नहीं, यह उस बारे में बात नहीं करता। ठीक है, अच्छा, अच्छा, अच्छा, अच्छा, अच्छा।

नंबर दो, प्री-टिब, चर्च को वादा किया गया है कि उसे आने वाले क्रोध से बचाया जाएगा। 1 थिस्सलुनीकियों 5:9, प्रकाशितवाक्य 3:10। मुझे लगता है कि 1 थिस्सलुनीकियों 5:9 में क्रोध का मतलब नरक है, लेकिन यह ठीक है।

तीसरा, हमें मसीह के बादलों में कलीसिया के लिए आने और कलीसिया के साथ धरती पर आने के बीच अंतर करना चाहिए। 1 थिस्सलुनीकियों 4:15 से 17, और यह कलीसिया के साथ धरती पर आने के बीच अंतर करना चाहिए। चौथा, मसीह किसी भी समय अपनी कलीसिया के लिए आ सकता है।

तीतुस 2:13, हम अपने प्रभु और उद्धारकर्ता यीशु मसीह के धन्य प्रकटन की प्रतीक्षा करते हैं। मध्य-संकट उत्साह, जे. ओलिवर बसवेल जूनियर। अन्य भी होंगे, मुझे नहीं पता। चर्च को क्लेश का एक हिस्सा अनुभव होगा, लेकिन उसे उठाया जाएगा और इसके सबसे बुरे प्रभाव से बचाया जाएगा।

हमें क्लेश और क्रोध के बीच अंतर करना चाहिए। चर्च पहले वाले का अनुभव करेगा और बाद वाले से बच जाएगा। यह बहुत मज़ेदार है, मेरे अच्छे दोस्त हैं, और कुछ, यह सालों पहले की बात है, एक अद्भुत आदमी और उसकी पत्नी।

किसी तरह, यह बात सामने आई। ओह, मैंने कहा, हम बस, हम बाइबल में कही गई बातों पर विश्वास करते हैं, और मैं कोई बुद्धिमान व्यक्ति नहीं बन रहा था। मैंने पूछा, यह क्या है? बेशक, मध्य-क्लेशकालीन उत्साह।

मैंने उससे बहस नहीं की। यह सिर्फ दिखाता है, यार, तुम बस अपना निष्कर्ष मान सकते हो, और सब कुछ स्पष्ट हो जाता है। दो, परमेश्वर के क्रोध के प्याले, प्रकाशितवाक्य, प्रकाशितवाक्य की पुस्तक में, परमेश्वर के क्रोध के प्याले उन दिनों के क्लेश के बाद उंडेले जाएँगे।

मैथ्यू 24:29 के साथ प्रकाशितवाक्य की पुस्तक का समन्वय करना। तीसरा, सातवें तुरही की ध्वनि के साथ मेघारोहण होगा। इस धर्मशास्त्र में प्रकाशितवाक्य 11:15 को 1 थिस्सलुनीकियों 4:16 के साथ सहसंबंधित किया गया है।

मेरे दोस्त ने कहा, जाहिर है यह एक ही बात के बारे में बात कर रहा है। मुझे यकीन नहीं था, और इस पर बहस करना शिक्षाप्रद नहीं होता, और वे मुझसे ज़्यादा इसमें रुचि रखते थे। सातवें तुरही बजने पर रैप्चर होगा।

प्रकाशितवाक्य 11:15, 1 थिस्सलुनीकियों 4:6 से तुलना करें। क्लेश के बाद का उत्साह। मैं जॉर्ज लैड की बहुत अच्छा काम करने के लिए प्रशंसा करता हूँ।

परमेश्वर के राज्य की शिक्षा देने का अर्थ है परमेश्वर का शासन, न कि केवल सांसारिक राज्य पर उसका शासन, जिस पर लैड विश्वास करता था, बल्कि यह परमेश्वर का शासन और शासन है। यह पुराने नियम में होता है, और यीशु आता है, राज्य का प्रचार करता है, राज्य का विस्तार करता है, इत्यादि। हमने अपने परिचय में युगांतशास्त्र में नए नियम में राज्य के बीच अंतर किया है।

इसका उद्घाटन यीशु की सांसारिक सेवकाई में चमत्कारों, भूत-प्रेतों के निष्कासन और संदेशों के माध्यम से हुआ था। यह पिन्तेकुस्त के दिन उनके द्वारा आत्मा को उंडेलने के समय विस्तारित किया गया था, और यह केवल उनकी वापसी पर ही पूर्ण होगा। क्लेशोत्तर पूर्वसहस्राब्दिवाद।

तो, ये सभी, यह पूर्व-क्लेशकालीन प्रीमिलेनियलिज्म, मध्य-क्लेशकालीन डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म, और पोस्ट-क्लेशकालीन डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म है। फिर से, मैं मुस्कुराता हूँ और अपना वेतन लेता हूँ। चर्च क्लेश में मौजूद रहेगा, हालांकि भगवान इसकी रक्षा करेंगे, और इसे उनके क्रोध से बचाया जाएगा।

लैड कहते हैं, देखो, बाइबल को देखो। परमेश्वर अपने लोगों को दुनिया से नहीं निकालता। वह भयानक न्याय के बीच में भी उनकी परवाह करता है।

मसीह का दूसरा आगमन एक एकल घटना है। 1 थिस्सलुनीकियों 4:13, और रैप्चर मार्ग के बाद, 1 थिस्सलुनीकियों 4:13 से 5:11 का हिस्सा है। यह एक है। अध्याय विभाजन प्रेरित नहीं हैं, और यह एक आगमन है जिसमें प्रभु अपने लोगों को आशीर्वाद देता है, और अविश्वासियों पर राहत, राहत और न्याय करता है।

आह, 1 थिस्सलुनीकियों 4:17 का अर्थ, अपोन्टेसिस, क्लेश के अंत में मसीह से मिलने के लिए चर्च को उठाए जाने को संदर्भित करता है। इसके तुरंत बाद, यह उसके साथ विजय में पृथ्वी पर उतरेगा। मत्ती 25:6 और प्रेरितों के काम 28:15 और 16 की तुलना करें।

मत्ती 25:6 और प्रेरितों के काम 28:15 और 16 की तुलना करें। हमारा अगला विषय शरीर का पुनरुत्थान है। कुछ प्रारंभिक बातें, हम वास्तव में पहले ही इन बातों को सिखा चुके हैं, लेकिन व्यवस्थित धर्मशास्त्र उन बातों को इकट्ठा करता है, जो हम पहले से ही जानते हैं।

यह उन्हें व्यवस्थित करता है। क्या यह खतरनाक नहीं है? हाँ। अगर यह गलत तरीके से ऐसा करता है, तो यह चीजों को विकृत कर सकता है, लेकिन अगर यह व्याख्यात्मक और सावधानीपूर्वक, परमेश्वर की प्रकट होने वाली कहानी को ध्यान में रखते हुए ऐसा करता है, जो कि बाइबिल धर्मशास्त्र है, तो यह व्याख्या में भी बहुत मददगार है।

पुनरुत्थान का समय युग के अंत में है, यूहन्ना 6:39, 40, 44, 54. बार-बार, यीशु यह कहते हैं। यह उनका जीवन की रोटी का प्रवचन है।

अंतिम दिन, यही शब्दावली है। यूहन्ना की शब्दावली है, यह उसकी इच्छा है जिसने मुझे भेजा है, यूहन्ना 6:39, बस पहला वाला, पहला संदर्भ पढ़ते हुए, कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उसमें से मैं कुछ न खोऊँ, बल्कि उसे अंतिम दिन फिर से जीवित कर दूँ। यह युग के अंत में है जब पुनरुत्थान होता है।

जब असहमति होगी तो मैं आपको बता दूंगा। यह आने वाला है। विश्वासियों और अविश्वासियों के शरीर का पुनरुत्थान, वास्तव में, हालाँकि पवित्रशास्त्र बाद के बजाय पहले के बारे में अधिक बोलता है, यह बाद के बारे में बोलता है, जैसा कि हम देखेंगे, मसीह के दूसरे आगमन के बाद होता है।

1 कुरिन्थियों 15:23, जैसा आदम में हुआ, वैसा ही मसीह में भी सब जीवित किए जाएँगे, लेकिन हर एक अपने-अपने क्रम से। मसीह प्रथम फल है, यीशु को आने वाली युगांतिक फ़सल के प्रथम फल के रूप में उठाया गया था, इसलिए उसका पुनरुत्थान आंशिक रूप से पहले से ही पुनरुत्थान है। अभी पूरी फ़सल नहीं हुई है।

हर एक अपने क्रम में, मसीह प्रथम फल है, फिर उसके आने पर, जो मसीह के हैं। बहुत स्पष्ट रूप से शिक्षा देते हुए, मसीह के आने पर पुनरुत्थान होगा। और 1 थिस्सलुनीकियों 4, 16 में भी यही बात कही गई है।

मृत विश्वासी अच्छे गुणों से वंचित नहीं रहेंगे। पॉल सिखाता है कि उन्हें राज्य के भविष्य के आयाम और उससे जुड़ी आशीषों से वंचित नहीं किया जाएगा। क्योंकि प्रभु स्वयं स्वर्ग से आज्ञा की पुकार, प्रधान स्वर्गदूत की आवाज़ और तुरही की आवाज़ के साथ उतरेंगे, और मसीह में मरे हुए लोग पहले उठेंगे।

विश्वासियों के प्रभु के पास जाने से पहले, मृतकों को जीवित किया जाता है, मृत विश्वासियों को जीवित किया जाता है। शरीर का पुनरुत्थान, समय, युग के अंत में, मसीह के दूसरे आगमन के बाद। यहाँ बहस होती है, एक चरण में, दो चरणों में, या तीन चरणों में।

एक चरण, सहस्राब्दिवाद और उत्तर सहस्राब्दिवाद। एक सामान्य पुनरुत्थान। ऐतिहासिक प्रीमिल्स, दो पुनरुत्थान, प्रकाशितवाक्य 20।

एक सहस्राब्दी से पहले, एक सहस्राब्दी के बाद। डिस्पोज़ेशनलिज़्म, तीन पुनरुत्थान। एक उत्साह से ठीक पहले, एक सहस्राब्दी से पहले, एक बहुत अंत में, बिल्कुल अंत में।

अविश्वासियों को उठाया जाना चाहिए ताकि वे अंतिम निर्णय से पहले उपस्थित हो सकें। पुनरुत्थान का दायरा, सार्वभौमिक। डैनियल 12:2। कभी-कभी व्याख्या मेरे धर्मशास्त्र के साथ खिलवाड़ करती है।

मैं मज़ाक कर रहा हूँ। उस समय महान राजकुमार माइकल उठेगा, जो महादूत माइकल है, जो आपके लोगों का प्रभारी है। और संकट का ऐसा समय होगा, जैसा उस समय से लेकर अब तक किसी राष्ट्र के अस्तित्व में कभी नहीं आया।

यीशु ने मत्ती 24 में उन शब्दों को उद्धृत किया है, तथाकथित महान क्लेश के बारे में, जो कि, पोस्टमिलेनियलिज्म के अलावा, अभी भी भविष्य है। लेकिन उस समय, आपके लोग छुड़ाए जाएँगे। हर कोई जिसका नाम पुस्तक में लिखा हुआ पाया जाएगा।

और जो लोग धरती की मिट्टी में सो रहे हैं, उनमें से बहुत से लोग जाग उठेंगे। कुछ लोग अनंत जीवन के लिए, पुराने नियम में यही सटीक अभिव्यक्ति है। यह विचार अन्य स्थानों पर भी है।

जो लोग सो गए हैं, यानी जो धरती की मिट्टी में मर गए हैं, उनमें से बहुत से लोग जाग उठेंगे। कुछ लोग अनंत जीवन के लिए, कुछ लोग शर्म और अनंत तिरस्कार के लिए। बाद में हम कहेंगे, ये दो अनंत नियति हैं जो पुराने नियम में पहले से ही बताई गई हैं।

अनंत जीवन के लिए पुनरुत्थान। शर्म और अनंत तिरस्कार के लिए पुनरुत्थान। क्या इसका मतलब यह है कि उनके विनाश के बाद भी तिरस्कार जारी रहता है? मुझे ऐसा नहीं लगता।

यह अंश का सामान्य पाठ नहीं है। और जो बुद्धिमान हैं वे ऊपर आकाश की चमक की तरह चमकेंगे। और जो बहुतों को धार्मिकता की ओर मोड़ते हैं, वे सितारों की तरह हमेशा-हमेशा के लिए चमकेंगे।

यीशु ने मत्ती 13 में राज्य के कुछ दृष्टांतों में सितारों की तरह चमकने वाले उस व्यवसाय का उल्लेख किया है। मैंने अपने धर्मशास्त्र में यह संदेश क्यों कहा? ऐसा लगता है कि यह विशेष रूप से उन बहुत से लोगों के बारे में बात करता है जो सो गए हैं और उन्हें फिर से जीवित किया जा रहा है। बहुत से शब्द का अर्थ हमेशा नहीं, सभी नहीं है।

लेकिन यह विशेष रूप से महान क्लेश से निपटने की एक प्रासंगिक धारणा प्रतीत होती है। लेकिन मैं इसे स्वीकार करूंगा, जैसा कि मैंने, मुझे लगता है, नरक पर परीक्षण में, नरक के शायद दो दृष्टिकोण, एक सामान्य पुनरुत्थान का प्रतिनिधित्व करते हैं। चर्च ने इसे ऐतिहासिक रूप से पुराने नियम के सामान्य पुनरुत्थान के पूर्ववर्ती के रूप में लिया है।

यूहन्ना 5 घंटी की तरह स्पष्ट है। पद 24 और 25 में आध्यात्मिक पुनरुत्थान के बारे में बोलने के बाद, पद 28 और 29 में यीशु कहते हैं, इस पर आश्चर्य मत करो। एक समय आ रहा है।

जॉन शब्दावली के साथ हमारे लिए पहले से ही और अभी तक नहीं के बीच अंतर करता है। पहले से ही इस तरह है। घंटा, एक घंटा, आ रहा है और अब है, पहले ही आ चुका है।

एक घंटा आ रहा है और अब आ गया है। कभी-कभी वह कहता है, एक घंटा आ रहा है। यह खूबसूरत है।

वह पहले से ही और अभी तक नहीं में अंतर करता है। हमेशा नहीं, लेकिन कभी-कभी इसी शब्दावली के साथ। इस पर आश्चर्य मत करो।

एक घड़ी आ रही है। श्लोक 25 में, यहीं। इस पर आश्चर्य मत करो।

मैं तुमसे सच-सच कहता हूँ, वह घड़ी आ रही है और अब आ गई है। जब मरे हुए लोग परमेश्वर के पुत्र की आवाज़ सुनेंगे, तो जो लोग यहाँ हैं वे जीवित हो जाएँगे। इससे पहले की आयत के प्रकाश में, वह आध्यात्मिक पुनरुत्थान के बारे में बात कर रहा है।

यीशु के उपदेश पर लोग आगे बढ़ रहे हैं; वे पिता पर विश्वास करते हैं क्योंकि वह पिता को इस तरह प्रकट करता है। यीशु उपदेश देते हैं कि वे पिता पर विश्वास करते हैं, और यीशु उन्हें मृत्यु से जीवन की ओर ले जाते हैं। वह घड़ी आ गई है।

पुराने नियम की भविष्यवाणियाँ पहले ही पूरी हो चुकी हैं। लेकिन वे अभी पूरी तरह से पूरी नहीं हुई हैं। अभी और भी बहुत कुछ होना बाकी है।

इस पर अचम्भा मत करो क्योंकि वह घड़ी आ रही है। वह अभी नहीं आई है। जब कब्रों में पड़े हुए सभी लोग बाहर निकलेंगे, उसकी आवाज़ सुनेंगे और बाहर आएँगे।

जिन्होंने अच्छा किया है वे जीवन के पुनरुत्थान के लिए, जिन्होंने बुरा किया है वे न्याय के पुनरुत्थान के लिए। मेरा अभी कहना यह है कि मैं जानता हूँ कि जिन्होंने अच्छा किया है वे तुम्हें ठोकर खिला रहे हैं, लेकिन अभी के लिए, सामान्य पुनरुत्थान, है न? जीवन का पुनरुत्थान, न्याय का पुनरुत्थान। जिन्होंने बुरा किया है उनके बारे में क्या? यह कोई समस्या नहीं है।

उन लोगों के बारे में क्या जिन्होंने अच्छा किया है? मुझे लगा कि हम विश्वास के ज़रिए अनुग्रह से बचाए गए हैं। बाइबल के आरंभ से लेकर अंत तक, कहानी के आगे बढ़ने के साथ यह स्पष्ट होता है कि उद्धार केवल अनुग्रह से ही होता है, केवल विश्वास के ज़रिए। केवल ईश्वर में, नए नियम में, केवल मसीह में।

जिन्होंने अच्छा काम किया है, वे इसके बारे में सोचें, और हम इस पर बाद में अंतिम न्याय के अंतर्गत चर्चा करेंगे। बाइबल में न्याय का आधार क्या है? लगातार, यह कर्मों पर आधारित है। मैंने हमेशा यह नहीं सिखाया।

मैंने नर्क का अध्ययन करना शुरू कर दिया। यह लगभग हर मार्ग में है। इसका कभी खंडन नहीं किया गया।

आपका क्या मतलब है? क्या न्याय विश्वास पर आधारित नहीं है? जेम्स 2 मेरी मदद करता है। मुझे अपना विश्वास कर्मों के बिना दिखाओ, और मैं तुम्हें अपना विश्वास कर्मों के द्वारा दिखाऊंगा। पहला असंभव है।

आप बिना सबूत के विश्वास कैसे दिखा सकते हैं? अगर मैं पूरा अध्ययन करूँ, तो अंतिम निर्णय में जो सामने आता है, वह है विचार, शब्द और कर्म, खास तौर पर कर्म। एर्गा, ग्रीक शब्द कार्य या कर्म, हर जगह मौजूद है। जैसा कि आप कल्पना कर सकते हैं, इसका आधार पुराने नियम के भजनों में है।

यीशु ने अपने स्वयं के मंत्रालय में इसे उद्धृत किया। प्रेरितों। अंतिम निर्णय का बड़ा अंश प्रकाशितवाक्य 20 है।

मृतकों का न्याय उनके कर्मों के अनुसार किया गया। कर्म विचारों, शब्दों और कर्मों को प्रकट करते हैं, जो विश्वास की उपस्थिति या अनुपस्थिति को प्रकट करते हैं। किसी भी मामले में, हरमन रिडरबोस, यह पॉल पर मेरी पसंदीदा पुस्तक है।

यह पुराना है, लेकिन यह बहुत अच्छा है। उन्होंने मुझे संकेतात्मक और अनिवार्य से परिचित कराया। आप पहले से ही अभी तक नहीं में हैं।

उन्होंने कहा कि वे डच हैं, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं कहा, लेकिन अमेरिकी लोग बाइबल को व्यक्तिगत रूप से पढ़ते हैं। उन्होंने ऐसा नहीं कहा। मैं यह इसलिए कह रहा हूँ क्योंकि मैंने पढ़ा है कि पॉल का विचार सामूहिक है।

वह सही कह रहे हैं। पूरी बाइबल का विचार सामूहिक है। सबसे पहले, बेशक, यह व्यक्तिगत है।

वैसे भी, रिडरबोस ने मुझे चौंका दिया। उनके पास एक अध्याय है जिसका शीर्षक है, कार्यों के अनुसार न्याय। हम अपने धर्मशास्त्र को बाइबल में नहीं पढ़ते हैं।

हम बाइबल से अपना धर्मशास्त्र पढ़ते हैं। इसे व्याख्यात्मक धर्मशास्त्र कहा जाता है। क्या यह विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा उद्धार का खंडन करता है? ऐसा नहीं है।

यह उद्धार नहीं है। यह न्याय है। न्याय इस बात पर आधारित है कि लोग क्या करते हैं, जिससे पता चलता है कि उन्हें विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा बचाया गया है या नहीं।

वैसे भी, मेरा मुद्दा यही है यूहन्ना 5:28, 29। यह एक सामान्य है। यह बचाए गए और खोए हुए लोगों के सार्वभौमिक सामान्य पुनरुत्थान का एक सामान्य पुनरुत्थान सिखाता है।

और प्रेरितों के काम 24. पॉल मुसीबत में है, और वह फरीसियों और सद्कियों के खिलाफ यहूदी समूहों को विभाजित करने के लिए एक तुरूप का पत्ता निकालता है। ओह, वह इस बार एक धूर्त शैतान है।

मैं निश्चित रूप से लाक्षणिक रूप से बोल रहा हूँ। प्रेरितों के काम 24, 15. वह कैसरिया में फेलिक्स के सामने है।

यह बहुत ही गर्म हो रहा है। उसके दुश्मन उससे बहुत नफरत करते हैं और उसे खत्म करना चाहते हैं। लेकिन प्रेरितों के काम 24:14.

लेकिन मैं आपको यह स्वीकार करता हूँ, पॉल कहते हैं, यह प्रेरितों के काम की पुस्तक में बताए गए तरीके के अनुसार है, यह एक तरीका है। यह विश्वासियों और उनकी जीवनशैली के बारे में बात करने का एक तरीका है। यह उन तरीकों में से एक है जिस पर मैं अटका हुआ हूँ।

यह ल्यूक द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली विधियों में से एक है। यह उस शब्दावली का हिस्सा है जिसका उपयोग वह ईसाई धर्म के बारे में बात करने के लिए करता है। जिस तरीके को वे संप्रदाय कहते हैं, उसके अनुसार मैं अपने पूर्वजों के ईश्वर की पूजा करता हूँ, और कानून द्वारा निर्धारित और भविष्यवक्ताओं में लिखी गई हर बात पर विश्वास करता हूँ।

अब तक तो सब ठीक है। ईश्वर पर भरोसा है, जिसे ये लोग खुद भी स्वीकार करते हैं। अब एक दिलचस्प बात आती है।

कि धर्मी और अधर्मी दोनों का पुनरुत्थान होगा। सद्कियों। यह बात उन्हें नागवार गुज़रती है।

वह जानबूझकर उनकी चोंचों को मरोड़ रहा है, उनकी दाढ़ी खींच रहा है ताकि उसके आरोप लगाने वालों के बीच झगड़ा पैदा हो। खैर। प्रकाशितवाक्य 20:11, 15.

इसे आम तौर पर सभी के पुनरुत्थान की बात माना जाता है। खोए हुए और बचाए गए। मेरा मानना है कि सभी युगांतशास्त्रीय पद इससे सहमत होंगे।

हमारे अगले व्याख्यान में, हम पुनरुत्थान शरीर की प्रकृति से संबंधित आकर्षक और महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा करेंगे।

यह डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन द्वारा चर्च और अंतिम चीजों के सिद्धांतों पर उनके शिक्षण में है। यह सत्र 17 है, सहस्राब्दि, रहस्योद्घाटन 20:4-6, डिस्पेंसेशनल प्रीमिलेनियलिज्म, और तीन रैचर पोजिशन।